सम्पादकीय

विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित मासिक शोधपत्रिका का वर्ष 2023 का षष्ठ अंक आपके करकमलों में अर्पित करते हुए अत्यधिक हर्ष का अनुभव हो रहा है। भारतीय धर्म-संस्कृति के शोधलेखों का यह संग्रह विद्वानों द्वारा सराहा जा रहा है। विद्वानों द्वारा नियमित भेजे जा रहे शोधलेख हमारा मनोबल बढ़ा रहे हैं व पत्रिका के महत्त्व को भी आलोकित कर रहे हैं। पूर्व अंकों में सभी उच्चस्तरीय विद्वानों के लेख प्रकाशित हुए हैं।

इसमें सर्वप्रथम महामण्डलेश्वर स्वामी महेश्वरानन्दपुरीजी द्वारा लिखित YOGA SUTRAS OF PATANJALI शोध लेख में पातंजलयोगसूत्र के प्रतिपाद्य की आधुनिक सन्दर्भ में उपयोगिता दर्शायी गयी है। तत्पश्चात् डॉ. रामदेव साहू द्वारा लिखित 'चौघड़िया मुहूर्त - एक विश्लेषण' शोधलेख में भारतीय कालगणानाधारित मुहूर्तपद्धति में प्रचलित चौघड़िया मुहूर्त की वैज्ञानिकता का प्रतिपादन किया गया है। श्रीमती इन्दु शर्मा काङ्कर द्वारा लिखित 'युगपुरुष - म.म. राष्ट्रपतिसम्मानित संस्कृत-मनीषी आचार्य डॉ. नारायणशास्त्री काङ्कर डी.लिट्.' शीर्षक लेख में डॉ. नारायणशास्त्री काङ्कर के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर व्यापक प्रकाश डाला गया है। डॉ. मोहनलाल गुप्ता द्वारा लिखित 'मेरे अध्यात्मगुरु डॉ. फतहसिंह' लेख में डॉ. फतहसिंह के व्यक्तित्व एवं वैदुष्य को उप स्थापित किया गया है। तत्पश्चात् डॉ. उमा दुबे द्वारा लिखित 'ARCHITECTURE AND INSCRIPTIONS ON CHHATRIES OF BIKANER' ऐतिहासिक शोधलेख में बीकानेर की छतरियों में दर्शनीय स्थापत्य एवं वास्तुकला की प्रामाणिक जानकारी प्रदान की गयी है। अन्त में स्व. डॉ. नारायणशास्त्री काङ्कर के 'राष्ट्रोपनिषत्' के कतिपय पद्य प्रकाशित किये गये हैं, जो गुरुशिष्यपरम्परा के गौरव को प्रदर्शित करने के साथ साथ आत्मचिन्तन की प्रेरणा प्रदान करने वाले हैं।

आशा है, सुधी पाठक इन्हें रुचिपूर्वक हृदयंगम करने में अपना उत्साह पूर्ववत् बनाये रखेंगे।

शुभकामनाओं सहित....

-डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा